Name.....

www.creativeworksheetshub.com

रावण के दस सिर

रावण नाम का एक राक्षक था. यह लंका का राजा था। इसी राक्षक ने माता सीता का अपहरण किया था। एक बार की बात है, यह ब्रह्मा जी की भक्ति करके उनको खुश करना चाहता था ताकि वे खुश होकर उसको अमर रहने का वरदान दे। उनको खुश करने के लिए वह घोर तपस्या करता था। वह अपना सिर बार-बार काट कर उन्हें अर्पित करता ,किन्तु हर बार उसका सिर जुड़ जाता।

रावण ने दस बार अपना सिर काटा और हर बार उसका सिर जुड़ता गया।

ब्रह्मा जी ने उसकी तपस्या से खुश होकर उसे दस सिर का वरदान दिया।

रावण के दस सर छः शास्त्रों और चार वेदों को दर्शाते हैं जिनके ज्ञान में उसे महारत हासिल थी। दस सिर होने के कारण इसे दशानन भी कहा जाता है।